ओ3म्

गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

(मान्यता कोड 531166, विद्यालय संख्या 20779)

परमपूज्य योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से संचालित

प्रकृति की सुरम्य गोद में स्थित

प्राचीन व अर्वाचीन शिक्षा तथा

वैदिक संस्कृति व संस्कारों का

अनुपम शिक्षण–संस्थान

उद्देश्य एवं नियमावली

सत्र 2018-19

गुरुकुल किशनगढ़–घासेड़ा, पोस्ट बीकानेर, जिला रेवाड़ी–123401 (हरियाणा)
फोन नं. 01274–247085
मोबा. नं. 08222889112, 09416347551, 08222889104
वैब साईट : www.gurukulrewari.com ईमेल : gkgrewari@gmail.com

विषय सूचि

क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	गुरुकुल का संक्षिप्त परिचय	3
2.	गुरुकुल के प्रमुख अधिकारीगण	3
3.	गुरुकुलीय विशेषताएँ	4
4.	पाठ्यक्रम	6
5.	परीक्षा–व्यवस्था	6
6.	वार्षिकोत्सव	6
7.	अवकाश–व्यवस्था	6
8.	प्रेरक प्रतियोगिताएँ	6
9.	प्रवेश सम्बन्धी नियम	7
10.	प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज	7
11.	वार्षिक शुल्क व्यय विवरण व्यवस्था	8
12.	गुरुकुलीय गणवेश व अन्य आवश्यक वस्तुओं की सूचि	9
13.	दिनचर्या–प्रकरण	9
14.	विद्यार्थी का निष्कासन	10
15.	पुनः प्रवेश	10
16.	विद्यार्थियों एवं अभिभावकों हेतु नियमावली	10
17.	गुरुकुल पहुँचने का सांकेतिक मार्ग	12
18.	प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम	13–19

ओ३म्

गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा

गुरुकुल का संक्षिप्त परिचय

'वीरभूमि हरियाणा' राज्य के रेवाड़ी नगर से लगभग 10 किमी० दूर प्रकृति की नैसर्गिक व रमणीक गोद में 20 एकड़ भूमि पर स्थापित गुरुकुल किशनगढ़–घासेड़ा विश्व में भारतीय सभ्यता, संस्कृति के धवल–कीर्ति ध्वजवाहक, आयुर्वेदाचार्य, वेदाचार्य, वैयाकरणी, परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के दिव्य व पुनीत संरक्षण में तीव्र गति से उन्नति की ओर अग्रसर है। यह गुरुकुल किशनगढ़ और घासेड़ा ग्रामों के धार्मिक, संस्कृत व संस्कृतिभक्त, दानी महानुभावों द्वारा प्रदत्त 20 एकड़ भूमि में अवस्थित है। इसकी स्थापना 14 जनवरी, 1979 को मकर–संक्रान्ति के पावन अवसर पर महाशय हीरालाल आर्य जी के प्रयास से हुई। तत्पश्चात् सन् 1989 से गुरुकुल का संचालन करने वाले तपोनिष्ठ, वेद व वैदिक संस्कृति के प्रति सर्वात्मना समर्पित स्वर्गीय महात्मा ध र्मवीर जी महाराज व गुरुकुल की कार्यकारिणी समिति ने सन् 2002 को श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, वीतराग परम पूज्य श्रद्धेय आचार्य श्री बलदेव जी महाराज के पटु शिष्य, योगर्षि परम श्रद्धेय स्वामी रामदेव जी महाराज के दिव्य–पावन कर कमलों में गुरुकुल का सम्पूर्ण संचालन व संरक्षण व्यवस्था सौंप, इस पुनीत यज्ञ की एक चिर संचित बृहत् आहुति प्रदान की। तब से यह गुरुकुल हर क्षेत्र मे दिन–दूनी और रात चौगुनी उन्नति कर रहा है। इस समय गुरुकुल में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, बिहार, गुजरात, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, दिल्ली, यू०पी०, नेपाल, पं0 बंगाल आदि 15 राज्यों के छात्र भी अध्ययनरत हैं।

गुरुकुल के प्रमुख अधिकारीगण

प्रेरणास्रोत	–	परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज।
संचालक	–	आचार्यकुल शिक्षण संस्थान (रजि०) कनखल, हरिद्वार
परामर्श एवं आशीर्वाद प्रदाता	–	श्रद्धेय आचार्य श्री बालकृष्ण जी महाराज, (विश्वप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य, महामन्त्री, दिव्य योग मन्दिर ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार) श्रद्धेय आचार्य श्री स्वामी मुक्तानन्द जी महाराज, डॉ० श्री यशदेव शास्त्री जी, हरिद्वार।
अध्यक्ष	–	श्री माडूराम जी आर्य
प्राचार्य	–	श्री सत्यव्रत शास्त्री।

गुरुकुलीय विशेषताएँ

- **शुद्ध, शान्त व नैसर्गिक परिवेश :** आपका यह गुरुकुल सभी प्रकार के प्रदूषण व कोलाहल से मुक्त प्रकृति के पवित्र व सुरम्य गोद में स्थित है। यहाँ ब्रह्मचारी सभी प्रकार की चिन्ताओं व समस्याओं से दूर रहकर सौहार्दपूर्ण परिवेश में अपना सर्वांगीण विकास कर सकता है।
- **उन्नत शिक्षा, संस्कृत, संस्कृति व संस्कार :** गुरुकुल में प्राचीन व आधुनिक शिक्षा का समयानुकूल समन्वय करके विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास कराने का पूर्ण प्रयत्न किया जाता है। यहाँ संस्कृत धर्म–शिक्षा, सन्ध्या–यज्ञ, प्रवचनादि के माध्यम से विद्यार्थी में जहाँ एक ओर श्रेष्ठतम भारतीय संस्कार दिये जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, कम्प्यूटरादि की शिक्षा के द्वारा उन्हें वर्तमान समाज में स्वावलम्बी, सम्मानित व सम्पन्न जीवन जीने के योग्य भी बनाया जाता है। हमारा पूर्ण प्रयास है कि हमारा विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठतमी तथा ज्येष्ठतमी, सभ्यता–संस्कृति के प्रति निष्ठा व गौरवबोध से युक्त होकर विकास के चरम सौपान को प्राप्त कर सके।
- **योग्य समर्पित व निष्ठावान आचार्यगण :** अर्थ व स्वार्थ प्रधान इस युग में हम सगर्व व सहर्ष घोषित करते हैं कि हमारे अध्यापक व व्यवस्थापक बन्धु अत्यन्त योग्य, कार्य–कुशल, शिक्षा–प्रेमी, समाज, राष्ट्र, संस्कृति व मानवता के प्रति सर्वात्मना समर्पित हैं। सभी अपने–अपने विषयों के मर्मज्ञ व गवेषक हैं। अतः निश्चित रूप से हम मानव–निर्माण के इस पुनीत कार्य में अवश्य ही सफल होंगे।
- **वसुधैव कुटुम्बकम् :** इस वैदिक उदात्त भावना के अनुरूप ब्रह्मचारियों का संरक्षण व संवर्द्धन जाति (वर्ग), भाषा, प्रान्त, मत आदि के भेदभाव के बिना किया जाता है। विद्यार्थियों में परस्पर प्रेम, सहयोग, सामंजस्य, शिष्टाचार, सौम्यता आदि मानवीय गुणों का विकास कराया जाता है। इसके साथ–साथ उनमें अपनी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्र व मानवता के प्रति निष्ठा व कर्त्तव्य–भाव भी विकसित करने का प्रयास किया जाता है।
- **गुरू–शिष्य परम्परा :** गुरुकुलीय परम्परा के अनुसार यहाँ आचार्य और विद्यार्थी के बीच गुरू–शिष्य का पवित्र व आत्मीय सम्बन्ध है। गुरुकुल अर्थात् गुरू का परिवार जिसमें गुरूजन शिष्य को माता–पिता के समान स्नेह देते हुए उनके कल्याण के लिए सर्वदा तथा सर्वथा प्रयत्नशील रहते हैं। ब्रह्मचारीगण भी उन्हें पूरा सम्मान देते हैं। आज स्कूल–कॉलेजों में टीचर–स्टुडेण्ट के बीच बद से बदतर होते जा रहे सम्बन्धों के लिए गुरुकुलीय परम्परा अनुकरणीय है।
- **सेवा–प्रकल्प :** विद्यार्थियों में सेवा–भाव, कार्य–कुशलता, कर्मठता और स्वावलम्बनादि गुणों के विकास हेतु गुरुकुल में आधे घण्टे का सेवा–कार्य भी रखा गया है। इसमें विद्यार्थी, सफाई, बागवानी आदि विविध कार्यों को करते हैं।
- **निःशुल्क शिक्षा :** वैदिक परम्परा के अनुरूप यहाँ भी शिक्षा का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। अभिभावकों से केवल विद्यार्थियों के भोजन, आवास, पुस्तकालय आदि के लिए अल्प मात्रा में ही शुल्क लिया जाता है।

- **शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुसार भोजन :** यहाँ गुरुकुल में विद्यार्थियों को शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुकूल भोजन दिया जाता है। गुरूकुल की अपनी गोशाला से शुद्ध दूध, खेतों से सब्जी, फलादि भी प्राप्त होता है। विविध पर्वों व विशिष्ट अवसरों पर विशेष भोजन तथा समय–समय पर फलाहार की भी व्यवस्था है।
- **आवासीय व्यवस्था :** यहाँ विद्यार्थियों के निवास हेतु उचित सुविधाओं से युक्त छात्रावास है। छात्रों को योग्यतानुसार पृथक–पृथक छात्रावास में रखा जाता है।
- **योगासन, प्राणायाम, ध्यानादि का अभ्यास :** यहाँ विद्यार्थियों को प्रतिदिन आसन, प्रायाणाम ध्यानादि का अभ्यास करवाया जाता है। जिससे विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक व आत्मिक रूप से सुदृढ़ होकर भौतिक व आध्यात्मिक दृष्टि से अपना सुखद व सफल जीवन यापन कर समाज को भी लाभान्वित कर सकें।
- **चिकित्सा–व्यवस्था :** गुरुकुल में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था के साथ अस्वस्थ विद्यार्थियों हेतु रेवाड़ी में वैद्य व पतंजलि औषधालय की भी व्यवस्था है।
- **कम्प्यूटर–शिक्षा व विज्ञान–प्रयोगशाला :** इस समय गुरुकुल में कम्प्यूटर, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भूगोल की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थीगण आचार्य जी के निरीक्षण व निर्देशन में प्रयोग करते हैं।
- **संगीत शिक्षा** : गुरुकुल में विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं हेतु छात्रों को विशेष संगीत शिक्षा भी प्रदान की जाती है।
- **पुस्तकालय तथा वाचनालय :** गुरुकुल में प्राचीन वैदिक आर्ष साहित्य, आधुनिक साहित्यों से सुसज्जित एक पुस्तकालय तथा वाचनालय भी है। जहाँ विद्यार्थी स्वाध्याय के द्वारा अपना ज्ञान–विज्ञान बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त विविध समाचार–पत्र व पत्रिकायें भी मँगवाई जाती हैं।
- **निर्धन किन्तु मेधावी छात्रों हेतु परितोषिक के रूप में छात्रवृति भी प्रदान की जाती है।**
- **शैक्षणिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक–प्रौद्योगिकी स्थलों का परिदर्शन :** विद्यार्थियों में ज्ञान–वर्द्धन व अपनी सभ्यता–संस्कृति इतिहास आदि का ज्ञान, निष्ठा व गौरव–भाव भरने के उद्देश्य से विविध धार्मिक, शैक्षणिक, ऐतिहासिक, प्रौद्योगिकी सम्बन्धी स्थानों का परिभ्रमण भी कराया जाता है।
- **कौशलवर्धिनी व वाग्वर्धिनी सभा :** छात्रों के अन्दर वैदिक चेतना को जगाने तथा निर्भीक व सही ढंग से विचारों की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मासिकी तथा विविध पर्व, महापुरुषों के जन्म व निर्वाण दिवस आदि अवसरों पर सभा आयोजित की जाती है।
- **सामाजिक, राष्ट्रीय उत्सवों व वैदिक संस्कारों का ज्ञान :** गुरुकुल में होली, दीपावली, मकर–संक्रान्ति, श्रावणी (रक्षा–बन्धन) आदि को विशुद्ध वैदिक स्वरूप से मनाते हैं तथा छात्रों को जन्म, नामकरण, उपनयन, आदि संस्कारों का भी व्यवहारिक ज्ञान कराया जाता है।
- **साधु–संतों, विद्वानों आदि प्रबुद्ध जनों द्वारा मार्ग–दर्शन :** परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की असीम कृपा से गुरुकुल में साधु–सन्तों, विद्वानों, प्रशासनिक अधिकारियों आदि प्रबुद्ध जनों का प्रायः आगमन होता रहता है। अतः उनका मार्ग–दर्शन भी समय–समय पर विद्यार्थियों को मिलता रहता है।
- **वस्तु भण्डार :** गुरुकुल में वस्तु–भण्डार भी है, जहाँ से छात्रों को आवश्यक वस्तुयें उचित मूल्य पर दी जाती हैं।

पाठ्यक्रम

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार।

परीक्षा-व्यवस्था

- केन्द्रीय **माध्यमिक** शिक्षा बोर्ड द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशानुसार।
- अनुशासन, स्वच्छता, आदि विषयों का भी ग्रेड के रूप में मूल्यांकन किया जायेगा।
- छात्र द्वारा किसी भी परीक्षा में अनुपस्थित होने पर पुनः परीक्षा नहीं ली जायेगी।
- किसी कारणवश परीक्षा में अनुपस्थित छात्र की परीक्षा लेना प्रधानाचार्य की कृपा पर निर्भर है।

गुरुकुल महोत्सव

गुरुकुल महोत्सव परम् पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज की आज्ञा से।

अवकाश–व्यवस्था

अवकाश – ग्रीष्मावकाश (सम्भवतः 15 मई से 15 जून)

नोट : *सत्र के मध्य में छात्र को अवकाश नही दिया जाएगा। केवल परिवार में काई अप्रिय घटना होने पर ही विचार किया जाएगा। शादी आदि कार्यक्रमों हेतु अभिवावक अवकाश हेतु दबाव न बनाएँ। उपर्युक्त इन सभी अवकाशों को लेने की बाध्यता नहीं है। इस दौरान कोई भी विद्यार्थी इच्छानुसार गुरुकुल में ठहर सकता है।*

विशेष – अवकाश अवधि समाप्त होते ही विद्यार्थियों को गुरुकुल में पहुँचना आवश्यक हैं। विलम्ब करने वाले विद्यार्थी को शुरू के 7 दिन, प्रतिदिन 50/– के हिसाब से दण्ड–शुल्क देना होगा। उसके बाद भी विलम्ब करने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। विशेष परिस्थिति में प्राचार्य की अनुमति से ही अवकाश बढ़ाया जा सकता है।

प्रेरक प्रतियोगिताएँ

- प्रत्येक वर्ष सत्र के दौरान विभिन्न खेल–कूद प्रतियोगिताओं के साथ प्रत्येक माह के अन्तिम दिवस को विभिन्न विषयों पर आधारित प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाता है तथा विजयी छात्रों को उत्साहवर्धन हेतु पारितोषिक प्रदान किया जाता है, जिससे अन्य छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

प्रवेश सम्बन्धी नियम

- गुरुकुल में सीटों की रिक्तता के आधार पर सामान्यतः पाँचवी से नौवी कक्षा तक प्रवेश दिया जायेगा।
- प्रवेश–परीक्षा के लिए आवेदन–पत्र नियमावली के अन्त में संलग्न है। इसे भरकर व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में जमा करायें।
- आवेदन–पत्र के साथ छात्र के दो नवीन (New) फोटो, आधार कार्ड व जन्म प्रमाण–पत्र अवश्य संलग्न करें।
- **प्रवेश परीक्षा दो चरणों में होगी** :– लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् प्रवेश से पूर्व मौखिक परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।
- विद्यार्थी के अभिभावक शिक्षण सत्र के दौरान छात्र से मिलने के लिए स्वयं द्वारा सुनिश्चित पाँच लोगों की दो–दो फोटो, विद्यार्थी से सम्बन्ध, मोबाईल नं, निवास पता कार्यालय में अवश्य जमा करवाएँ। अन्यथा अपरिचित व्यक्ति के आने पर छात्र का मिलना सम्भव नहीं होगा।
- प्रवेश–परीक्षा के समय अनियमितता सिद्ध होने पर विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। उस स्थिति में किसी भी प्रकार की कोई राशि वापस नहीं की जायेगी।
- **प्रवेश–परीक्षा का कार्यक्रम निम्न प्रकार से है–**

प्रवेश परीक्षा की तिथि	समय
18 फरवरी व 25 मार्च	11 बजे से

- लिखित प्रवेश–परीक्षा का परिणाम उसी दिन घोषित कर दिया जायेगा। लिखित व मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् 10 दिन के अन्दर प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज (Document)

1. स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C.) 2. गत कक्षा का रिपोर्ट कार्ड
3. जन्म प्रमाण–पत्र 4. आधार कार्ड 5. छात्र के चार नवीन फोटो
6. छात्र से मिलने वाले पांच व्यक्तियों के दो–दो फोटो, पूरा पता व फोन नं. सहित

वार्षिक शुल्क विवरण व्यवस्था

गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली में शिक्षा पूर्णतः निःशुल्क है, किन्तु आवासीय व्यवस्था होने के कारण भोजन, बिजली, आदि अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्थाओं का व्यय–भार अभिभावक को ही वहन करना पड़ता है। अतः निर्धारित शुल्क दिए गए समयानुसार अवश्य जमा करवायें।

वार्षिक व्यय-विवरण

- **प्रवेश व छात्रावास शुल्क 85,000 रु० (कक्षा 5, 6, 7 व 8 के लिए)**

  प्रथम किश्त 40000 रु० प्रवेश पंजीकरण करवाते समय

  द्वितीय किश्त 25000 रु० 25 मई से 31 अगस्त तक

  तृतीय किश्त 20000 रु0 1 दिस्म्बर से 31 दिसम्बर तक

- **प्रवेश व छात्रावास शुल्क 88,000 रु० (कक्षा 9 व 10 के लिए)**

  प्रथम किश्त 40000 रु० प्रवेश पंजीकरण करवाते समय तथा

  द्वितीय किश्त 28000 रु० 15 मई से 31 जुलाई तक

  तृतीय किश्त 20000 रु0 1 दिस्म्बर से 31 दिसम्बर तक

नोट :– कक्षा 9 से12 के सभी छात्रों का बोर्ड पंजीकरण व परीक्षा शुल्क, बोर्ड के अनुसार अभिभावकों को अलग से जमा करवाना होगा।

नोट – उपर्युक्त सभी किश्तों को जमा करवाने का अतिरिक्त समय, दिये गए समय के 7 दिन पश्चात् तक है। तदुपरान्त विलम्ब शुल्क 10 रु० प्रतिदिन होगा।

- **छात्र के व्यक्तिगत खर्च के रूप में प्रवेश के समय कम से कम 7000/– रू० छात्र की धरोहर राशि के रूप में जमा करवाने होगें, ताकि छात्र को समय पर पुस्तकें, स्टेशनरी व आवश्यक वस्तुएँ प्राप्त हो सकें।**

नोट :– गुरुकुल में प्रवेश लेने के उपरान्त यदि छात्र किसी भी परिस्थिति में गुरुकुल छोड़ कर जाता है, तो छात्रावास शुल्क में से 1 अप्रैल से प्रतिदिन की दर से राशि काट कर केवल छत्रावास शुल्क ही वापस किया जाएगा। प्रवेश शुल्क (5000रू0) व विकास शुल्क (7000रू0) राशि देय नहीं होगी।

गुरुकुलीय गणवेश व अन्य आवश्यक वस्तुओं की सूची

गुरुकुल में विद्यार्थी के पास गुरुकुल द्वारा निर्धारित वस्तुएँ ही होनी चाहिए। सभी वस्तुओं पर विद्यार्थी का नाम व Admission Number तथा गुरुकुल द्वारा दिया गया अनुक्रमांक लिखवाना अनिवार्य है। विद्यार्थियों के लिए ऋतु अनुकूल बिस्तरादि की व्यवस्था अभिभावक स्वयं करें।

नोट – गुरुकुल छात्रावास व विद्यालय में एक निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार सभी आवश्यक वस्तुएँ जैसे – कुर्ता–पायजामा, जूते, मोजा, रूमाल, स्वेटर , टी–शर्ट, तौलिया, लंगोट, कच्छा, ट्रैकशूट, लोवर, चद्दर, गर्म लोई, बर्तन, तेल, साबुन, पेस्ट, मंजन, ब्रुश, बैग, पुस्तकें व स्टेशनरी **आदि की व्यवस्था गुरुकुल स्वयं करेगा लेकिन इसका सम्पूर्ण खर्च अभिभावक द्वारा जमा करवाई गई धरोहर राशि के माध्यम से होगा।**

दिनचर्या-प्रकरण

गुरुकुलीय परम्परा में विद्यार्थी को गुरुकुल में ही आचार्यों के संरक्षण में रहना पड़ता है। अतः यहाँ उनको नियमित व निश्चित दिनचर्या का पालन करना अनिवार्य है।

04 : 00	**–**	**04 : 15**	**प्रातः जागरण-आत्म चिन्तन**
04 : 15	**–**	**05 : 30**	**शौचादि नित्य-कर्म**
05 : 30	**–**	**06 : 00**	**दौड़, व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि**
06 : 00	**–**	**06 : 25**	**स्नान**
06 : 25	**–**	**07 : 30**	**स्वाध्याय**
07 : 30	**–**	**08 : 00**	**यज्ञ**
08 : 10	**–**	**08 : 50**	**प्रातः राश**
08 : 50	**–**	**09 : 00**	**विद्यालय प्रार्थना**
09 : 00	**–**	**12 : 50**	**विद्यालय**
12 : 50	**–**	**01 : 50**	**भोजन + लघु विश्राम**
01 : 50	**–**	**03 : 20**	**विद्यालय**
03 : 20	**–**	**03 : 30**	**लघु विश्राम**
03 : 30	**–**	**04 : 20**	**स्वाध्याय**
04 : 20	**–**	**04 : 50**	**शौचादि**
04 : 50	**–**	**06 : 10**	**आसन, प्राणायाम, खेल, सेवा कार्य**

06 : 10	**–**	**06 : 30**	**स्नान**
06 : 30	**–**	**06 : 50**	**संध्या**
06 : 50	**–**	**07 : 30**	**भोजन तथा भ्रमण**
07 : 30	**–**	**08 : 50**	**स्वाध्याय**
08 : 50	**–**	**09 : 10**	**दुग्ध-वितरण मन्त्र पाठ, समाचार दर्शन**
09 : 10	**–**	**04 : 00**	**शयन**

नोट – दिनचर्या ऋतु व परिस्थिति अनुसार परिवर्तनीय है।

विद्यार्थी का निष्कासन

- ग्रीष्मावकाश की समाप्ति के बाद भी 7 दिन तक बिना सूचना/अनुमति के अनुपस्थित रहने पर।
- सत्र के बीच में गुरुकुल छोड़ने पर।
- निर्धारित शुल्क नियत अवधि तक उपेक्षा शुल्क के साथ जमा न करवाने पर।
- गुरुकुल के नियमों का उल्लंघन, उद्ण्डता, अशोभनीय आचरणादि करने पर।
- गुरुकुल शिक्षा के समय में सगाई/विवाह करने पर।
- प्राचार्य की अनुमति के बिना गुरुकुल छोड़ने पर।

पुनः प्रवेश

- यदि किसी परिस्थितिवश नामांकन निरस्त हो जाता है, तो पुनः प्रवेश शिक्षा विभाग के नियमानुसार तथा प्राचार्य की आज्ञानुसार ही किया जायेगा।

अभिभावको हेतु निर्देश

- अवकाश पर केवल अभिभावक ही अपने बालक को आकर ले जायें तथा अवकाश की समाप्ति पर स्वयं बालक को गुरुकुल में छोड़ें। किसी भी अन्य अभिभावक के साथ बालक को सामान्य परिस्थिति में नही भेजा जाएगा।
- छात्र को ले जाते समय मुख्य द्वार पञ्जिका में अपना नाम, पता, छात्र से सम्बन्ध व मोबाईल नं आदि अंकित अवश्य करें।
- अभिभावक अपने बच्चें के लिए केवल Keypad वाला मोबाईल Balance Recharge करवा कर कार्यालय में जमा करा सकते है, तथा केवल मास के प्रथम व तृतीय रविवार को दोपहर 2 बजे से सांय 4 बजे तक ही छात्र से बात कर सकते है।

- अभिभावक कार्यालय के नम्बरों पर – **08222889112, 916347551, 01274–2470220, 247085, 247086** केवल मास के प्रथम व तृतीय रविवार को दोपहर 2 बजे से सांय 4 बजे तक ही छात्र से बात कर सकते है।
- असाध्य अथवा संक्रामक रोग होने की स्थिति में अभिभावक का विद्यार्थी की चिकित्सा स्वयं ही घर पर करवानी होगी।
- **निषिद्ध वस्तुएं** – जैसे पैसे, मोबाईल, रेडियों, इलैक्ट्रोनिक उपकरण, अनावश्यक वस्त्र, खेल उपकरण, नमकीन (जंक फूड) आदि वस्तुएँ छात्र को न दे। उपर्युक्त वस्तुएँ पाये जाने की स्थिति में छात्र व अभिभावक दोनों जिम्मेवार होंगे तथा कार्यालय द्वारा दिया गया दण्ड स्वीकार्य होगा।
- अभिभावक खाद्य–पदार्थों में विद्यार्थी को केवल घी, फल, सूखे फल (काजू, किशमिश, बादाम आदि) ही दे सकते हैं।
- अपने बच्चे की विशेषताओं तथा कमजोरियों के बारे में कार्यालय को लिखित रूप में अवगत करायें।
- गुरुकुल से विद्यार्थी को घर ले जाते समय तथा अवकाशोपरान्त गुरुकुल लाते समय गुरूकुलीय वेश–भूषा ही पहनायें।
- गुरुकुल के निरन्तर सम्पर्क में रहें। "आचार्य–अभिभावक–अधिकारी बैठक" उत्सवादि कार्यक्रमों में अवश्य ही सम्मिलित होवें।
- अवकाश में विद्यार्थी को पूर्णतया स्वच्छन्द न छोड़ें। उसे गुरुकुलीय दिनचर्या जैसे–प्रातः 4:00 या 4:30 बजे उठाना, सन्ध्या, प्राणायाम, योगासन, आदि अवश्य करवायें।
- अवकाश में विद्यार्थी के मित्रों के स्वभाव, व्यवहारादि का ध्यान रखें। टी०वी०, विडियो–गेम, कम्प्यूटर–गेम आदि पर नियन्त्रण रखें। प्रतिदिन कुछ समय विद्यार्थी के साथ बितायें तथा खाली समय में अच्छी–अच्छी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
- गुरुकुल से सम्बन्धित किसी भी वाद–विवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र रेवाड़ी होगा।
- ***गुरुकुल मार्ग से अनभिज्ञ महानुभावों हेतु गुरूकुल पहुँचने का संकेत –***

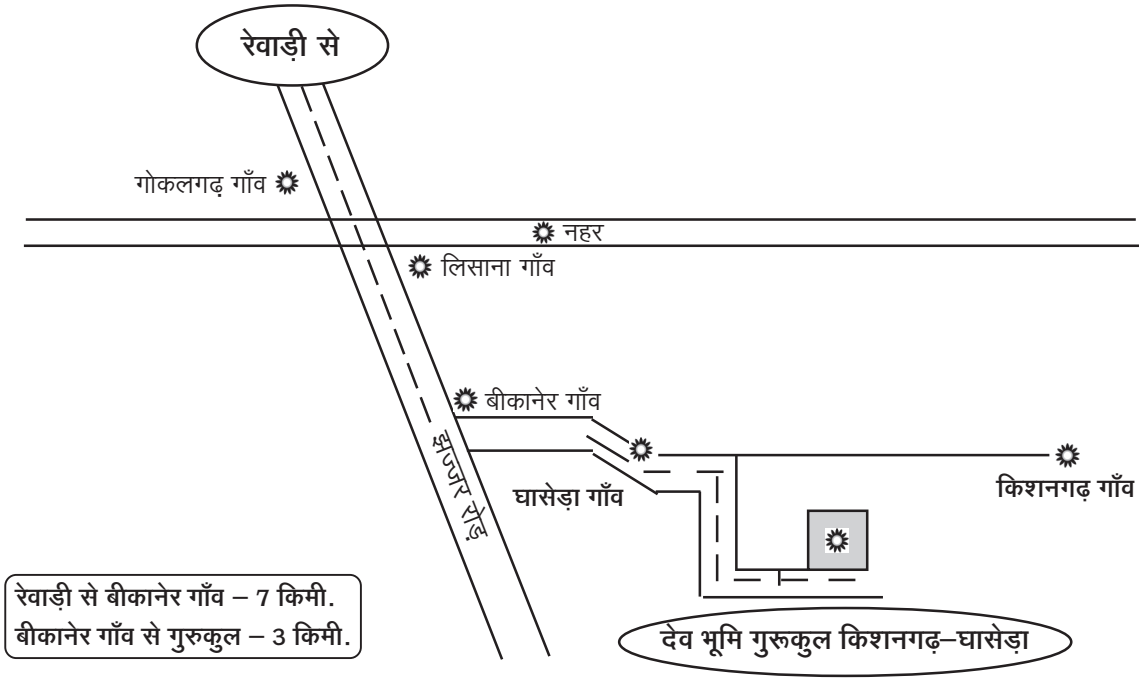
रेवाड़ी से
गोकलगढ़ गाँव
नहर
लिसाना गाँव
बीकानेर गाँव
झज्जर रोड़
घासेड़ा गाँव
किशनगढ़ गाँव
रेवाड़ी से बीकानेर गाँव – 7 किमी.
बीकानेर गाँव से गुरुकुल – 3 किमी.
देव भूमि गुरूकुल किशनगढ़–घासेड़ा

Class-Vth

Syllabus For Admission in 5th Class

पाचवीं कक्षा में प्रवेश लेने हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

ENGLISH **25**

I. Parts of Speech Noun - Gender, Number, Pronoun, Adjective, Forms of Verbs, Opposite Words

II. General Vocabulary - Names of fruits, Flowers, Vegetables, Parts of Body, Relations, Animals, Trees, Clothes, Birds, Colours, Furnitures, Sense Organs, Days, Weeks, Months, Planets.

III. General Translation - Use of is, am, are**,** Use of was, were, Use of has, have, Sentences of every day use

IV. Writing skill in Applications and Letters -

V. Paragraph, Stories, Rhymes, Simple Translation, Jumbled Words, Simple Word Meanings(In Hindi Or English)

VI. Pattern writing to cursive writing

VII. Living and Non-Living things

MATHS **25**

1. स्थानीय मान जातीय मान, ल०स० और म०स०।
(Knowledge of place value, face value, LCM and HCF)
2. भिन्नात्मक व दशमलव संख्याओं की मूल संक्रियाएँ (जोड, घटा, गुणा, भाग) (Basic knowledge of addition, substraction, multiplication and division of praction and decimal number)
4. संख्याओं (सम, विषम, अभाज्य, पूर्णांक, परिमय आदि) की जानकारी। (Knowledge of numbers (even, odd, prime, integers and rational)
5. कोण, कोण के प्रकार, त्रिभुज, त्रिभुज के प्रकार। (Angle and its types, tringle, and its type)
6. माप–तोल और समय की आधारभूत जानकारी। (Basic Knowledge of Measurment and Time)
7. आरोही, अवरोही और भारतीय, अर्न्तराष्ट्री संख्या पद्धति को समझना। (Understanding about ascending, descending order and National and International number system)
8. जोड़, घटा, गुणा, भाग। (Adding, Subtractions, Multiples and divides)

हिन्दी **25**

भाषा व्याकरण, लिपि, वर्णमाला, वर्ण, शब्द, वाक्य की परिभाषा, वर्ण के भेद, हिन्दी वर्णमाला में स्वर, व्यजंन की संख्या व उनकी पहचान, सरल शब्दों का का अर्थए विलोम शब्द, अशुद्ध शब्दों का शुद्ध रूप, वचन एवं लिंग बदलनाए निबन्ध लेखन।

सामान्य ज्ञान (GK) New **25**

गत कक्षा के पाठ्यक्रम (NCERT) पर आधारित प्रश्न, सामान्य जागरूकता (महत्त्वपूर्ण पद व व्यक्तियों के नाम) भारत की नदियाँ, पर्वत, राज्य व राजधानी, पडोसी देश, त्योहार, राष्ट्रीय चिन्ह और प्रतीक, महत्त्वपूर्ण दिवस।

Reference : सभी कक्षाओं के छात्रों हेतु –

1. संस्कृत के लिए डॉ० कपिलदेव द्विवेदी कृत "प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुद्धी" या "रचनानुवाद कौमुद्धी" देखें।
2. अन्य विषय के लिए N.C.E.R.T. की पुस्तकें देखें।

Class-VIth

Syllabus For Admission in 6th Class

छठी कक्षा में प्रवेश लेने हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

ENGLISH **25**

I. Parts of Speech
Noun - Gender, Number, Pronoun, Adjective, Forms of Verbs, Opposite Words

II. General Translation -
Use of is, am, are
Use of was, were
Use of has, have
Sentences of every day use, Comprehension

IV. Pattern writing to cursive writing

MATHS **25**

1. आयत, वर्ग तथा त्रिभुज के परिमाप। (Perimeter of rectangle, square and triangle)
2. औसत, प्रतिशत, ऐकिक नियम, व तथा लाभ–हानि। (Average, percentage, unitary method, Profit-Loss)
3. भिन्नात्मक व दशमलव संख्याओं की मूल संक्रियाएँ (जोड़, घटा, गुणा, भाग) (Basic knowledge of addition, substraction, multiplication and division of fraction and decimal number)
4. सम, विषम, अभाज्य, पूर्णांक, परिमय, रोमन अंक आदि संख्याओं की जानकारी। (Knowledge of numbers even, odd, prime, integers and rational, Roman Numbers, etc.)
5. कोण, कोण के प्रकार, त्रिभुज, त्रिभुज के प्रकार। (Angle and its types, triangle, and its type)
6. क्षेत्रफल तथा आयतन। (Area and Volume)
7. लाभ तथा हानि। (Profit and Loss)

हिन्दी **25**

1. भाषा, व्याकरण, वर्ण, शब्द, वाक्य, लिपि, वर्णमाला, स्वर, व्यंजन, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, परिभाषा, भेद, उदाहरण।
2. अशुद्ध शब्द का शुद्ध रूप लिखना, विलोम शब्द, वचन परिवर्तन, लिंग परिवर्तन, मुहावरों का अर्थ।
3. निबन्ध लेखन व प्रार्थना पत्र।

सामान्य ज्ञान **25**

गत कक्षा के पाठ्यक्रम (NCERT) पर आधारित प्रश्न, सामान्य जागरूकता (महत्त्वपूर्ण पद व व्यक्तियों के नाम), भारत की नदियाँ, पर्वत–पठार, वन, कृषि और सौरमण्डल राज्य व राजधानी, पडोसी देश, त्योहार, महत्तवपूर्ण दिवस, राष्ट्रीय चिन्ह और प्रतीक महाद्वीप, महासागर।

Class- VII

Syllabus For Admission in 7th Class

सातवीं कक्षा में प्रवेश लेने हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

ENGLISH **20**

1. Composition 2. Comprehension 3. Parts of Speech 4. Article 5. Active and Passive Voice
6. Direct and Indirect Speech 7. Punctuations 8. Jumbled words to form meaninful Sentences.

हिन्दी **20**

1. भाषा, व्याकरण, वर्णमाला, लिपि, वर्ण, शब्द, वाक्य, स्वर, व्यंजन, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण परिभाषा एवं भेद नाम।
2. अशुद्ध शब्दों का शुद्ध रूप लिखना, विलोम शब्द, मुहावरों का अर्थ, पर्यायवाची, उपसर्ग छाँटना, लिंग, वचन बदलना।
3. "प्रिय नेता" आदि विषय पर दस–पंन्द्रह पंक्तियाँ लिखना। ***अथवा***
   "अवकाश" एवं "परिवार जनों से कुशल–क्षेम आदान–प्रदान" हेतु पत्र–लेखन।

SCIENCE **20**

1. भोजन के घटक (Components of Food) **2.** पदार्थों का पृथक्करण (Separation of Substances) **3.** पौधों का जानिए (Getting to Know Plants) **4.** शरीर में गति (Body Movements) **5.** सजीव एवं उनका परिवेश (The living organisms and their surroundings) **6.** प्रकाश (Light) **7.** विधुत एवं परिपथ (Electricity and circuit) **8.** चुम्बक (Magnet) **9.** जल (Water) **10.** हमारे चारों ओर वायु (Air around us) **11.** कचरा संग्रहण एवं निपटान (Garbage in - Garbage out)

MATHS **20**

1. संख्याओं की जानकारी (Knoledge of Numbers)
2. पूर्ण संख्याएँ व पूर्णांक (Whole Numbers and Integer)
3. भिन्न (Fractions)
4. दशमलव (Decimasl)
5. क्षेत्रमिति (त्रिभुज, आयत, वर्ग, घन–घनाभ) {Mensuration (Triangle, Rectangle, Square, Cube-Cubiod)}
6. बीजगणित (Algebra)
7. अनुपात और समानुपात (Ratio and Proportion)
8. कोण व त्रिभुज (Abgle and Triangles)

संस्कृत **10**

1. **शब्द रुप** – राम, पुत्र, हरि, कपि, गुरु, वायु, लता, रमा, किम् (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग, नपुंसकलिङ्ग)
2. **धातु रुप** – गम्, पा, पठ्, दृश्, सेव्।
3. **शब्दार्थ एवं अनुवाद** – 1. हिन्दी से संस्कृत 2. संस्कृत से हिन्दी।
5. वाक्यों का वचन परिवर्तन, कारको पर आधारित वाक्य बनाना, रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए शब्दों की सहायता से करना।
6. संस्कृत में दस फलों के नाम।
7. 1 से 50 तक संस्कृत में गिनती।
8. संस्कृत में शरीर के दस अंगों के नाम।

सामान्य ज्ञान– गत कक्षा के पाठ्यक्रम (NCERT) पर आधारित प्रश्न, सामान्य जागरूकता (महत्त्वपूर्ण पद व व्यक्तियों के नाम), भारत की नदियां, महाद्वीप, महासागर, सौरमण्डल, वन, कृषि, नवीन–खोज, भारत के भौतिक स्वरूप, पर्यावरण स्थानीय सरकार, पड़ोसी देशों के नाम व राजधानियाँ, भारत की प्राचीन सभ्यता आदि। **10**

Class VIIIth

Syllabus For Admission in 8th Class
आठवीं कक्षा में प्रवेश लेने हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

ENGLISH **20**

1. Composition 2. Comprehension 3. Parts of Speech 4. Article 5. Active and Passive Voice
6. Direct and Indirect Speech 7. Punctuations 8. Jumbled words to form meaninful Sentences.

SCIENCE **20**

1. पादपों व प्राणियों में पोषण (Nutrition in Plants and Animals) **2.** ऊष्मा (Heat) **3.** अम्ल, क्षारक और लवण (Acid, Base and salt) **4.** भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन (Physical and Chemical Change) **5.** मौसम, जलवायु तथा अनुकूलन(Weather, Climate and Adaptation) **6.** मृदा (Soil) **7.** जीवों में श्वसन (Respiraton in Organisms) **8.** जन्तुओं एवं पादपों में परिवहन (Transportation in Animals and Plants) **9.** पादपों मे जनन (Reproduction in Plants) **10.** विधुत धारा एवं इसके प्रभाव (electric current effects) **11.** प्रकाश (Light) **12.** जल एवं अपशिष्ट जल (Water and waste water)

MATHS **20**

1. परिमेय और अपरिमेय संख्याएँ (Rational and Irrational Numbers) **2.** पूर्णांक (Integer) **3.** लाभ–हानि (Profit-Loss) **4.** साधारण ब्याज और प्रतिशत (Simple Intrest and Percentage) **5.** बीजीय समीकरण (Algberic Equation) **6.** घात और घातांक (Exponents and Power's) **7.** रेखा व कोण (Line and Angles) **8.** त्रिभुज और उसके प्रकार (Triangle and Its Types) **9.** क्षेत्रमिति (त्रिभुज, चतुर्भुज) {Mensuration (Triangle, Quadrilateral)} 10. भिन्न तथा दशमलव (Fraction and Decimals) परिमाप तथा क्षेत्रफल (Perimeter and Area) परिमेय संख्याएं(Rational Numbers)

हिन्दी **20**

1. लिपि, वर्णमाला, वर्ण, स्वर, व्यंजन, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, सन्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, परिभाषा, भेद उदाहरण।
2. अशुद्ध शब्द का शुद्ध रूप लिखना, उपसर्ग एवं प्रत्यय छाँटना, वचन परिवर्तन, लिंग परिवर्तन, मुहावरों का अर्थ, विलोम शब्द तथा पर्यायवाची का ज्ञान।
3. "राष्ट्रीय पर्व" एवं "प्रिय नेता" आदि विषय पर दस–पंन्द्रह पंक्तियाँ लिखना। ***अथवा***
"शुभकामना", "बधाई", "अवकाश" हेतु पत्र–लेखन।

संस्कृत **10**

1. **शब्द रुप** – राम, ईश्वर, हरि, गुरु, लता, अस्मद्, युस्मद्, फलम्।
2. **धातु रुप** – भू, रुच्, गम्, लिख्, पृच्छ्, पा, जि।
3. **शब्दार्थ** – ***अनुवाद:*** संस्कृत से हिन्दी व हिन्दी से संस्कृत कारको पर आधारित वाक्य बनाना।
4. **संस्कृत में निबन्ध (5 पंक्ति)** – **1.** अस्माकं विद्यालयः, **2.** सदाचारः, **3.** विद्या।
5. **वाक्यों का वचन परिवर्तन जैसे** – सः पठति = ते पठन्ति।
6. 1 से 100 तक संस्कृत में संख्यसावाचक शब्दों का ज्ञान।

सामान्य ज्ञान **10**

गत कक्षा के पाठ्यक्रम (NCERT) पर आधारित प्रश्न, सामान्य जागरूकता (महत्त्वपूर्ण पद व व्यक्तियों के नाम व उपनाम), भारत की नदियां, जनसंख्या, घास स्थल, महाद्वीप, महासागर, सौरमण्डल, ग्रह–उपग्रह, नवीन खोज, भारत देश की आकार एवं स्थिति, राष्ट्रीय चिन्ह्, ऐतिहासिक इमारते, प्राचीन सभ्यता, कृषि, भारत की शासन व्यवस्था, महत्त्वपूर्ण दिवस तथा विश्व के देश और उनकी राजधानीयाँ।

Class IXth
Syllabus For Admission in 9th Class
नौवीं कक्षा में प्रवेश लेने हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

ENGLISH 20

1. Correct use of Verb **2.** Modals **3.** Conjunctions **4.** Preposition **5.** Narration **6.** Active and Passive Voice **7.** Antonyms, Synonyms and one word Substitution **8.** Comprehension **9.** Composition in Letter, Essay, Story.

SCIENCE **20**

1. सूक्ष्म जीवः मित्र एवं शत्रु (Micro-Organisms: Friends and foe) **2.** संश्लेषित रेशे एवं प्लास्टिक (Synthetic fibers and plastics) **3.** कोयला और पैट्रोलियम (Coal and Petrolium) **4.** दहन और ज्वाला (Combustion and Flame) **5.** कोशिका (Cell) **6.** जन्तुओं में जनन Reproduction in Animals) **7.** किशोरावस्था की ओर (Reaching the age of Adolescence) **8.** बल तथा दाब (Force and Pressure) **9.** घर्षण (Friction) **10.** ध्वनि (Sound) **11.** विद्युत्त धारा के रासायनिक प्रभाव (Chemical effects of Electric Current) **12.** प्रकाश (Light) **13.** वायु तथा जल प्रदूषण (Pollution of Air and Water)

MATHS **20**

1. परिमेय और अपरिमेय संख्याएँ (Rational and Irrational Numbers) **2.** एक चर वाले रैखिक समीकरण (One Variable Linear Equation) **3.** वर्ग और वर्गमूल (Square and Square-root) **4.** घन और घनमूल (Cube and Cube-root) **5.** धात और घातांक (Power and Power's Numbers) **6.** लाभ–हानि (Profit-Loss) **7.** साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज (Simple and Compound Interest) **8.** बीजीय समीकरण और गुणनखंडन (Algbric Equation and Factorisation) **9.** क्षेत्रमिति (त्रिभुज, चतुर्भुज, घन–घनाभ) {Mensuration (Triangle, Quadrilateral, Cube-Cubiod)} **10.** सीधा और प्रतिलोम समानुपात (Direct and Inverse Proportion) **11.** प्रयोगिक ज्यामिति (Application of Geometry)

हिन्दी **20**

1. विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, सन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, वाक्य भेद, अर्थ के अनुसार वाक्य के भेद, परिभाषा, भेद, उदाहरण।
2. अशुद्ध शब्द का शुद्ध रूप लिखना, उपसर्ग छाँटना, वचन बदलना, लिंग परिवर्तन, मुहावरों का अर्थ, विलोम शब्द।
3. "राष्ट्रीय पर्व" "भारतीय त्योहार" "प्रिय खेल" आदि विषयों पर दस–पन्द्रह पंक्तियाँ लिखना। ***अथवा***
   "बधाई", "शुभकामना", "अवकाश", "संवेदना" आदि विषयों पर पत्र–लेखन।

संस्कृत **10**

शब्द रुप– अकारान्त पुल्लिङ्ग,/स्त्रिलिङ्ग/नपुसंकलिङ्ग शब्द रूप तद् (तीनों लिङ्गों में), एतत् (तीनों लिङ्गों में), भवत् (पुलिङ्ग व स्त्रीलिङ्ग), आत्मन्, राजन्, श्रीमन्, युवन्, अकरान्त (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग, नपुंसकलिङ्ग) शब्द रूप।
धातु रुप– हृ, भ्रम्, क्रुध्, प्रच्छ्, रूध्, ग्रह्, ज्ञा, चिन्त्, कथ् (लट्, लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ्) पाँचः लकारों में।
निबन्ध– विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, परोपकार, वेदानांमहत्त्वम्, सदाचारः, सन्धि/समास (पांच पंक्तियों में)।
अनुवाद– कारको पर आधारित हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी।
संन्धि और समास।

सामान्य ज्ञान– गत कक्षा के पाठ्यक्रम (NCERT) पर आधारित प्रश्न, सामान्य जागरूकता (महत्त्वपूर्ण पद व व्यक्तियों के नाम व उपनाम), भारत की नदियाँ, जनसंख्या, महाद्वीप, महासागर, सौरमण्डल, ग्रह–उपग्रह, नवीन खोज, नवीन योजनाएं भारत का भौतिक स्वरूप, प्राचीन सभ्यता, स्वतंत्रता संग्राम, भारत के प्रमुख राजवंश, राष्ट्रीय चिन्ह्, ऐतिहासिक इमारते, मौलिक अधिकार, संविधान, भारत की शासन व्यवस्था, वन्य जीव अभ्यारण, कृषि, वन, भारत की न्याय व्यवस्था, उद्योग आदि।

अन्तर्राष्ट्रीय – देश व राजधानियाँ, संयुक्त राष्ट्र संघ, प्रमुख पर्वत व नदियाँ, महाद्विप महासागर। **10**